





ईको क्लब द्वारा प्लास्टिक फ्री ड्राइव का आयोजन



जीन्द : राजकीय महाविद्यालय, जीन्द में ईको क्लब के द्वारा प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में प्लास्टिक फ्री ड्राइव के दूसरे दिन पी० जी० ब्लॉक व लाइब्रेरी, लाइब्रेरी पार्क में प्लास्टिक फ्री ड्राइव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्राचार्य ने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए बताया कि प्लास्टिक एक ऐसा पदार्थ है। जो जल, थल, और वायु तीनों के लिए हानिकारक है। इससे निकलने वाली हानिकारक गैस वातावरण को बहुत ही बुरा प्रभावित करती है। प्रकृति के साथ-साथ हमारे स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। इस कार्यक्रम में एनएसएस के स्वयं सेवक व सेविकाओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। ईको क्लब की संयोजिका डा. अंजना धवन, नवीन, विरेन्द्र श्रीमती ममता भी मौजूद रहे व श्रमदान भी किया।

प्लास्टिक जल, थल और वायु के लिए हानिकारक : डा. मलिक



कॉलेज में प्लास्टिक फ्री ड्राइव के दौरान प्राचार्य व स्वयंसेवक।

■ राजकीय महाविद्यालय में हुआ प्लास्टिक फ्री ड्राइव का आयोजन

जींद, 12 अक्टूबर (ललित): राजकीय महाविद्यालय में इको क्लब के तत्वावधान में प्राचार्य डा. सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में प्लास्टिक फ्री ड्राइव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य डा. सत्यवान मलिक ने छात्रों को बताया कि प्लास्टिक एक ऐसा पदार्थ है जो जल,

थल और वायु तीनों के लिए हानिकारक है। इससे निकलने वाली हानिकारक गैस वातावरण को बहुत ही बुरा प्रभावित करती है। प्रकृति के साथ-साथ हमारे स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है।

कार्यक्रम में स्वयंसेवक व सेविकाओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम की संयोजिका डा. अंजना, नवीन, विरेंद्र, ममता भी मौजूद रही व श्रमदान भी किया।

जल, थल और वायु सभी के लिए प्लास्टिक हानिकारक

जींद। राजकीय महाविद्यालय में ईको क्लब के तत्वावधान में वीरवार को प्राचार्य डॉ. सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में प्लास्टिक फ्री ड्राइव का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. सत्यावन मलिक ने छात्रों को बताया कि प्लास्टिक एक ऐसा पदार्थ है, जो जल, थल, और वायु तीनों के लिए हानिकारक है। इससे निकलने वाली हानिकारक गैस वातावरण को बहुत ही बुरा प्रभावित करती है।

प्रकृति के साथ-साथ हमारे स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। कार्यक्रम में स्वयंसेवक व सेविकाओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. अंजना, नवीन, विरेन्द्र, ममता ने भी श्रमदान किया। संवाद